IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.57
Volume 4, Issue 6, November 2024

द्रविड़ राजनीति में रिक्तता:एक विश्लेषण

डॉ॰ गौरव त्रिपाठी

असिस्टेंट प्रोफेसर (राजनीति विज्ञान)

राजकीय पी जी कालेज, मुसाफिरखाना, अमेठी

शोध सार

तमिलनाडु भारत में द्रविड़ राजनीति का केंद्र रहा है ।द्रविड़ राजनीति वास्तव में भारत के दक्षिणी क्षेत्र में प्रचलित रही है। यह पेरियार के संघर्ष की भूमि थी। यहां पर सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए कई प्रकार से संघर्ष किए गए। द्रविड़ राजनीति में अनिश्वरवाद और तर्कवाद को सदैव प्रधानता दी गई है। द्रविड़ राजनीति में सदैव दो धड़े दिखाई पड़ते हैं -चाहे पेरियार का युग हो या चाहे एम जी रामचंद्रन का युग। द्रविड राजनीति के इतिहास में लैंगिक समता का भी दिग्दर्शन होता है। द्रविड़ राजनीति में नेताओं के उभार में फिल्म क्षेत्र प्रमुख रही है। चाहे करुणानिधि हो ,चाहे जे जयललिता हो व चाहे रजनीकांत हों। सभी फिल्म जगत से संबंधित हैं ।करुणानिधि द्रविड़ राजनीति में एक प्रभावशाली नेता रहे। वे हिंदी विरोधी आंदोलन में सदैव अग्रगण्य रहे। बाल काल से ही वे ऐसे आंदोलन में सक्रिय रहे हैं। जब यूपीए का गठन हो रहा था तब करुणानिधि उस मूल विचार के नेताओं में से एक थे। उन में राष्ट्रवाद की भावना अत्यंत प्रबल थी इसलिए जब समाजवादी भावना के अंतर्गत भारतीय बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया तो वह उसके समर्थन में आगे दिखलाई पड़ते हैं। वे लोकतांत्रिक व्यवस्था के संपोषक थे यही कारण है कि जब देश में राष्ट्रीय आपातकाल को क्रियान्वित किया गया तब करुणा निधि ने जयप्रकाश नारायण के साथ मिलकर संपूर्ण क्रांति में अपना योगदान दिया । करुणा निधि का देहावसान राजनीतिक में एक शून्यता की उभार का प्रतीक बन गया है।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.57
Volume 4, Issue 6, November 2024

मुख्य शब्द : द्रविड़, राजनीति ,भाषावाद, अलगाववाद, क्षेत्रवाद, अन्नादुरई, सामाजिक न्याय ,अनिश्वरवाद, तर्कवाद ,विवेक, गैर ब्राह्मणवाद , पेरियार ।